Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 30 October 2024

Dainik Jagran - 04, 10

निर्णय में पुरुषों के साथ महिलाओं की भूमिका भी जरूरी

मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम में 'हिंदी साहित्य और पत्रकारिता में स्त्री की भूमिका' पर हुई तथ्यपरक चर्चा

मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व मंचासीन अतिथि • जौवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में मिशन शक्ति अंतर्गत मंगलवार को एकदिवसीय जागरूकता समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'हिंदी साहित्य और पत्रकारिता में स्त्री की भूमिका : समकालीन परिदृश्य और संभावनाएं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं पुरुषों के साथ कदमताल कर रही हैं। पूरा विश्व इसकी धमक महसूस की जा रही है। अब जरूरत इस बात की है कि किसी भी निर्णय निर्माण में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित हो। जिस दिन ऐसा सुनिश्चित हो जाएगा, समाज से महिला व पुरुष की गैर बराबरी वाली मानसिकता में भी परिवर्तन हो जाएगा।

कुलपति ने कहा कि स्त्री व पुरुष दोनों ही दोहरी भूमिका में होते हैं। महिलाएं घरेलू दायित्वों का निर्वाह करने के साथ-साथ घर भी संभालती है तो पुरुष भी रोजगार के साथ परिवार व समाज की तमाम जिम्मेदारियां का निर्वहन करते हैं। दोनों की दोहरी भूमिका होने के बावजूद स्त्रियों को सम्मान से समझौता करना पड़ता है। महिला सशक्तीकरण के लिए लैंगिक समानता का भाव होना जरूरी है। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजवंत राव ने कहा कि मिशन शक्ति अभी अपने क्षितिज पर है। मध्यान्ह होने दीजिए स्त्रियों की शक्ति का अंदाजा बखूबी हो जाएगा। मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी मेजर प्रो. विनीत पाठक ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में हमें बहुआयामी प्रयास करना होगा। स्त्री को कमतर समझने वाली दृष्टि को समाप्त करना होगा।

स्त्री उदारता के साथ-साथ बौद्धिकता व शक्ति का भी परिचायक है। वक्ता के रूप में डा. प्रियंका व नरगिस बानो ने विषय पर अपने विचार रखे। अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त, संचालन डा. अभिषेक शुक्ल और आभार ज्ञापन डा. ऋतु सागर ने किया।

इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे, प्रो. अनिल राय, प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी, प्रो. राजेश मल्ल, प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. प्रत्युष दुबे, डा. महेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

गोवि के गौतम बुद्ध हास्टल में मनाया गया दीपोत्सव

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गौतम बुद्ध हास्टल में मंगलवार की शाम दीपोत्सव का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीप जलाकर इसका शुभारंभ किया। उन्होंने हास्टल के छात्रों, शिक्षकों और शिक्षकों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छात्रों ने हास्टल को सैकड़ों दीपों से प्रज्वलित किया। इस अवसर पर हास्टल के अभिरक्षक डा. दुर्गेश पाल, अधीक्षक डा. सुनील यादव व डा. राजेश सिंह, मुख्य अभिरक्षक प्रो. एसके सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे, संपत्ति अधिकारी डा. अमित उपाध्याय, डा. अनुपम सिंह, प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. विजय चहल आदि मौजूद रहे।

कलाकार अपनी प्रतिभा निखारें हर मदद की जाएगी : रवि किशन

कार्यशाला के बाद कुलपति व प्रशिक्षक के साथ प्राप्त प्रमाण-पत्र दिखाते प्रशिक्षु • जौवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिपरक कार्यशाला मंगलवार को सम्पन्न हो गई।

मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन ने कहा कि लोक कला तथा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यशाला का आयोजन होना बेहद जरूरी है।

सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कला, संस्कृति तथा कलाकारों को हमेशा प्रोत्साहन, सहयोग और सम्मान देते हैं। सांसद ने कहा कि कलाकार अपनी प्रतिभा को निखारने में कोई कसर न छोड़ें। उनकी हर संभव मदद की जाएगी।

अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भोजपुरी लोकसंगीत बहुत ही कर्णप्रिय होता है। विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर डा. सत्या पांडेय ने कहा कि पूर्वांचल की पारंपरिक लोकसंगीत में एक ऐसी मिठास है, इसकी गारी भी प्यारी लगती है। ललित कला विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने स्वागत किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव आदि मौजूद रहे।

Inext Page - 02

अंतर मन पुस्तक का हुआ भव्य विमोचन

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (29 Oct): गोरखपुर क्लब में सोमवार को मेजर डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव ने गजल-कालसंग्रह अभार्गन का लोकार्पण किया गया. डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने किताब को लॉन्च किया. प्रो टण्डन ने गोरखपुर को गजलकारों का शहर बताया. इस दौरान शहर की कई बड़ी हस्तियां भी मौजूद रहीं,

Amar Ujala Page - 07

कला प्रतिभाओं को निखारें, आगे बढ़ने में करेंगे मदद : सांसद

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और डीडीयू के ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज-2025 और मिशन शक्ति के तहत आयोजित थी। मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि लोक कला व संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसी कार्यशाला का जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी भी कलाकारों को हमेश सम्मान देते हैं। आश्वासन दिया कि प्रतिभावान कलाकारों को आगे बढ़ाने में वे मदद करेंगे। संवाद

Amar Ujala Select Page - 04

पुरुषों के साथ महिलाओं की निर्णय में भूमिका जरूरी : प्रो. पूनम टंडन

गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

'हिंदी साहित्य और पत्रकारिता में स्त्री की भूमिका' विषय पर तथ्यपरक चर्चा

जागरूकता कार्यशाला में बोलतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य शिक्षक।

गौतम बुद्ध छात्रावास में मनाया गया दीपोत्सव

डीडीयू : कला प्रतिभाओं को निखारें आगे बढ़ने में करेंगे मदद : रवि किशन

संस्कृति विभाग व डीडीयू की ओर से आयोजित कार्यशाला का समापन

कार्यशाला के समापन पर प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी व अन्य।

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज-2025 और मिशन शक्ति के तहत आयोजित थी।

संवाद भवन में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि लोक कला तथा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यशाला का आयोजन होना बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कला, संस्कृति तथा कलाकारों को हमेशा प्रोत्साहन, सहयोग और सम्मान देते हैं। आश्वासन दिया कि इन प्रतिभावान कलाकारों को आगे बढ़ाने में वे मदद करेंगे। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भोजपुरी लोक संगीत बहुत ही सुनहरी संगीत है।

इसे दूषित होने से बचाने के लिए ऐसे कार्यशाला का होना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने मुख्य प्रशिक्षक अंतरराष्ट्रीय लोकगायक राकेश उपाध्याय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर डॉ सत्या पांडेय ने कहा कि पूर्वांचल की पारंपरिक लोक संगीत में एक ऐसी मिठास है जिसकी गारी भी मनमोहक लगती है।

ललित कला विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने स्वागत किया। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव, डॉ गौरहरि बेहरा, प्रो. उमा श्रीवास्तव, प्रो. शिखा सिंह, प्रो. सुनीता मुर्मु, डॉ. गौरी शंकर चौहान, डॉ प्रदीप साहनी, डॉ प्रदीप राजोरिया आदि मौजूद रहे।

'पुरुषों के साथ महिलाओं की निर्णय में भूमिका जरूरी'

गोरखपुर। डीडीयू के हिंदी विभाग में मिशन शक्ति अंतर्गत मंगलवार को एकदिवसीय जागरूकता समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'हिंदी साहित्य और पत्रकारिता में स्त्री की भूमिका : समकालीन परिदृश्य और संभावनाएं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं पुरुषों के साथ कदमताल कर रही हैं। अब जरूरत इस बात की है कि किसी भी निर्णय निर्माण में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित हो।

कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजवंत राव ने कहा कि मिशन शक्ति अभी अपने क्षितिज पर है। मध्याह्न होने दीजिए। स्त्रियों की शक्ति का अंदाजा बखूबी हो जाएगा। मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी मेजर प्रो. विनीता पाठक ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में हमें बहुआयामी प्रयास करना होगा। संवाद

Hindustan Page - 06

कला प्रतिभाओं को आगे बढ़ने में करूंगा मदद

बोले रवि किशन

उप्र संस्कृति विभाग और डीडीयू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रमाणपत्र के साथ प्रतिभागी और उपस्थित अतिथि।

गोरखपुर, निज संवाददाता। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज-2025 और मिशन शक्ति के तहत आयोजित थी।

संवाद भवन में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि लोक कला तथा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यशाला का आयोजन होना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कला, संस्कृति तथा कलाकारों को हमेशा प्रोत्साहन, सहयोग और सम्मान देते हैं। आश्वासन दिया कि इन प्रतिभावान कलाकारों को आगे बढ़ाने में वे मदद करेंगे।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भोजपुरी लोक संगीत बहुत ही सुनहरी संगीत है। इसे दूषित होने से बचाने के लिए ऐसी कार्यशाला का होना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने मुख्य प्रशिक्षक अंतरराष्ट्रीय लोकगायक राकेश उपाध्याय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर डॉ. सत्या पांडेय ने कहा कि पूर्वांचल की पारंपरिक लोक संगीत में एक ऐसी मिठास है जिसकी गारी भी मनमोहक लगती है।

ललित कला विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने स्वागत किया। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव, डॉ. गौरहरि बेहरा, प्रो. उमा श्रीवास्तव, प्रो. शिखा सिंह, प्रो. सुनीता मुर्मु, डॉ. गौरी शंकर चौहान, डॉ. प्रदीप साहनी, डॉ. प्रदीप राजोरिया आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अधिवेशन में होंगे लघु भारत के दर्शन

डीडीयू

- 22 से 24 नवम्बर तक गोरखपुर में होना है अभाविप का राष्ट्रीय अधिवेशन
- समाज तथा समसामयिक विषयों पर देश भर के विद्यार्थी करेंगे मंथन

गोरखपुर, निज संवाददाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि गोरखपुर में पहली बार आयोजित हो रहे राष्ट्रीय अधिवेशन में लघु भारत का दर्शन होगा। गोरखपुर विश्वविद्यालय में 22 से 24 नवम्बर तक आयोजित 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में देश-विदेश से जुटे विद्यार्थी समाज तथा समसामयिक विषयों पर मंथन करेंगे। आयोजन का खाका तैयार कर लिया गया है। अधिवेशन को ऐतिहासिक बनाने के लिए समितियां गठित कर जिम्मेदारियां बांट दी गई हैं।

याज्ञवल्क्य शुक्ल मंगलवार को अधिवेशन की तैयारियों को लेकर प्रेस क्लब में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभाविप छात्रों के हित एवं उन्नयन के लिए सदैव ही कार्य करती रहती है। अभाविप के लिए राष्ट्रीय अधिवेशन मंथन, मंचन और मंत्रणा का मंच है, जो विचार-विमर्श, कला एवं रचनात्मकता, शिक्षा तथा राष्ट्र पुनर्निर्माण से जुड़े विषयों पर पूरे देश के प्रतिनिधियों को एक साथ सम्मिलन और सहभाग का अवसर देता है। अधिवेशन में अलग भाषा, अलग वेश के समागम से भारत की एकता और अखंडता के दिव्य स्वरूप को देखने का अवसर प्राप्त होगा।

अधिवेशन में लगेगी प्रदर्शनी

अधिवेशन में एक वर्ष के संगठन के कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में अभाविप द्वारा किए गए क्रियाकलापों को प्रदर्शित किया जाएगा।

स्टॉल भी होंगे आकर्षण का केन्द्र : अधिवेशन में वोकल फ़ॉर लोकल के नारे को साकार करने के लिए गोरखपुर के 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' टेराकोटा के साथ ही साथ मुबारकपुर की साड़ी का भी स्टॉल लगाया जाएगा। इसके माध्यम से अधिवेशन में आए प्रतिनिधियों को आत्मनिर्भर भारत का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा।

विद्यार्थियों की आवाज का माध्यम देगा अधिवेशन : अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री अंकित शुक्ल ने कहा कि गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन देश के विद्यार्थियों की आवाज को एक माध्यम देने वाला सिद्ध होगा। अभाविप ने देश के युवाओं को एकत्रित कर उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करने का कार्य किया है।

Rashtriya Sahara Page - 10

लोक कला व संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला जरूरी

गोरखपुर (एसएनबी)। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश तथा दीदउ गोविवि के ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतीपरक कार्यशाला का समापन समारोह मंगलवार को विवि के संवाद भवन में आयोजित किया गया।

कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज-2025 एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित हुआ था। ललित कला एवं संगीत विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इसके बाद छात्र छात्राओं द्वारा पचरा गीत, देवी गीत, छठ गीत, तथा विवाह गीत की सुंदर प्रस्तुति की गई। मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि लोक कला तथा संस्कृति को आगे बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यशाला का आयोजन होना बेहद जरूरी है और सबसे अच्छी बात यह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कला, संस्कृति तथा कलाकारो को हमेशा प्रोत्साहन,सहयोग और सम्मान करते रहते है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भोजपुरी लोक संगीत बहुत ही सुनहरा संगीत है। इसे दूषित होने से बचाने के लिए ऐसे कार्यशाला का होना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने मुख्य प्रशिक्षक राकेश उपाध्याय को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर अनुभूति दुबे अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रोफेसर राजवंत राव अधिष्ठाता कला संकाय, डा. गोर हरि बेहरा, प्रोफेसर उमा श्रीवास्तव, डाक्टर गौरी शंकर चौहान, डा. प्रदीप साहनी, डा. प्रदीप राजोरिया आदि की सहभागिता रही।

13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतीपरक कार्यशाला का समापन

Rashtra Ki Parampara

13 दिवसीय भोजपुरी लोक गीत प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का समापन

गोरखपुर(राष्ट्र की परम्परा)। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर

विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का समापन समारोह मंगलवार को विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित किया गया। कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज– 2025 एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित हुआ था। कार्यक्रम की शुरुआत में ललित कला एवं संगीत विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर उषा सिंह ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इसके बाद छात्र छात्राओं द्वारा पचरा गीत, देवी गीत, छठ गीत, तथा विवाह गीत की सुंदर प्रस्तुति की गई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सदर सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि, लोक कला तथा संस्कृति को आगे बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यशाला का आयोजन होना बेहद जरूरी है और सबसे अच्छी बात यह है कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज भी कला, संस्कृति तथा कलाकारों को हमेशा प्रोत्साहन,सहयोग और सम्मान करते रहते है। उन्होने आगे कहा कि इन प्रतिभावान कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए मै हमेशा उनके साथ रहूंगा। विशिष्ट अतिथि डॉ० सत्या पांडे पूर्व मेयर गोरखपुर ने कहा कि पूर्वांचल की पारंपरिक लोक संगीत में एक ऐसी मिठास है जिसकी गारी भी मनमोहक लगती है। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि भोजपुरी लोक संगीत बहुत ही सुनहरी संगीत है इसे दूषित होने से बचाने के लिए ऐसे कार्यशाला का होना जरूरी है, इसके लिए उन्होंने मुख्य प्रशिक्षक राकेश उपाध्याय को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर अनुभूति दुबे अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रोफेसर राजवंत राव अधिष्ठाता कला संकाय, डॉ गोर हरि बेहरा ,प्रोफेसर उमा श्रीवास्तव, डॉक्टर गौरी शंकर चौहान, डॉ प्रदीप साहनी, डॉक्टर प्रदीप राजोरिया तथा अनेक छात्राएं उपस्थित रहे।

धनतेरस और दीपावली के शास्त्रीय पक्ष

प्रस्तुत है दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की विदूषी डॉ. अर्चना शुक्ला से हुई बातचीत के प्रमुख अंश

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। ज्योतिष तिथियों का ज्ञान कराता है। किंतु हिंदू धर्म में पर्व मनाने की परंपरा धर्मशास्त्रीय विषय है, तिथि निर्णय के धर्म शास्त्रीय श्लोक का प्रमाण देते ...